International Journal of Advance and Applied Research
www.ijaar.co.in
ISSN – 2347-7075 Impact Factor – 7.328
Peer Reviewed Bi-Monthly
Vol.11No.1 Sept-Oct 2023

जी २० शिखर सम्मेलन : २०२३

श्रीमति कांति सिंह काठेड़

पुस्तकालयाध्यक्ष, स्वामी विवेकानंद शासकीय वाणिज्य महाविद्यालय, रतलाम

Corresponding Author – श्रीमति कांति सिंह काठेड़

DOI- 10.5281/zenodo.10043566

सार :

यह आर्थिक सहयोग का एक प्रमुख मंच है। यह अंतराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों को निर्धारित करने, आर्थिक स्थिरता, वैश्विक व्यापार, ग्लोबल चैलेंज से लेकर अन्य कई मुद्दों पर अपनी राय तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

की वर्डस् : जी २०, अंतराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दें, वैश्विक अर्थव्यवस्था, वित्तीय स्थिरता

जी २० :

जी २० का पूरा नाम ग्रुप ऑफ २० है। यह एक अंतराष्ट्रीय गठबंधन है जिसमें विश्व की १६ बड़ी अर्थव्यवस्थायें और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इसका उद्देश्य आर्थिक सहयोग वित्तीय स्थिरता और विश्वसनीय आर्थिक नियमन को बढावा देना है।

जी २० की थीम :

भारत की जी २० प्रेसीडेंसी का थीम वसुधैव कुटुंबकम या एक पृथ्वी एक परिवार, एक भविष्य है। जिसे महाउपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है।

जी २० का लोगो :

भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंग - केसरिया, सफेद, हरे नीले रंग से प्ररित है। इसमें धरती को भारत के राष्ट्रीय फूल कमल से जोड़ा गया है। जो चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है। धरती जीवन के प्रति भारत के ग्रह समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो प्रकृति के साथ पूर्ण सामजस्य रखता है।

जी २० का उद्देश्य :

वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता बढाना, विकास और वित्तीय सहयोग प्रोत्साहित करना और आर्थिक समस्याओं का समाधान ढूंढना है।

जी २० का एजेंडा :

सतत् विकास को बढावा देना, अंतराष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता प्राप्त करना, एक ताजा अंतराष्ट्रीय वित्तीय ढॉचा तैयार करना।

जी २० की महत्वपूर्ण गतिविधियॉं :

सदस्य देश आर्थिक नीतियों, वित्तीय मामलों, विकास परियोजनाओं और अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हैं।

जी २० में कितने देश शामिल हैं :

कुल १६ देश (अमेरिका, चीन,रुस, ब्राजील, कनाडा, अर्जेटिना, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, जम्रनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, कोरिया गणराज्य, सउदी अरब, अक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, यूके, यूरोपीय संघ और भारत) शामिल है।

जी २० का गठन कब हुआ :

जी २० का गठन १६६६ में हुआ था लेकिन २००७ में आये वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संकट के मद्देनजर रखते हुये इस समूह में देश के प्रमुखो को भी शामिल कर लिया गया। इसके बाद २००६ में अंतराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिये प्रमुख मंच घोषित किया गया।

जी २० काम कैसे करती है :

सदस्य देशों में से किसी भी एक देश को एक साल के लिये जी २० की अध्यक्षता दी जाती है। जी २० की अध्यक्षता करने वाले देश के साथ मिलकर अन्य देश के प्रमुख विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं। जिसमें आर्थिक पक्ष से लेकर अंतराष्ट्रीय विषय तक शामिल होते हैं। इसमें दो सामानांतर ग्रुप शामिल होते हैं। फायनेंस ग्रुप और शेरपा ग्रुप। फायनेंस ग्रुप का नेतृत्व जी २० में शामिल देशों के वित्त मंत्री और केन्द्रीय बैंक के गर्वनर होते हैं। शेरपा ग्रुप का नेतृत्व जी २० प्रक्रिया में शामिल समन्वय सदस्य देशों के शेरपाओं की तरफ से किया जाता है, जो नेताओं के निजी दूत होते हैं। इनमें एक एंगेजमेंट समूह भी शामिल होता है जो जी २० देशो के नागरिकों समाजों, सांसदों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों, शोधकर्ताओं आदि को एक साथ लाते हैं और उनकी तरफ से पेश किये गये बातों को सम्मेलन में रखते हैं।

जी २० का क्या काम है :

यह सभी प्रमुख अंतराष्ट्रीय मुद्दों पर वैश्विक संरचना और अधिशासन निर्धारित करने तथा मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत ने १ दिसंबर २०२२ से ३० नवंबर २०२३ तक जी २० की अध्यक्षता की।

जी २० की २०२३ में अध्यक्षता कौन कर रहा है :

जी २०, २०२३ की अध्यक्षता नई दिल्ली में भारत मंडपम अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी सम्मेलन केन्द्र में आयोजित की गई। नई दिल्ली में ६ और १० सितंबर २०२३ को जी २० शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ।

जी २० में चर्चा :

नेताओं की घोषणा में पर्यावरण के लिये मुख्यधारा की जीवन शैली ;स्पथ्म्द्धए टिकाऊ ऊर्जा परिवर्तन को लागू करने, टिकाऊ वित्त प्रदान, सतत विकास लक्ष्यों की खोज की पुष्टि करने, प्लास्टिक प्रदूषण को संबोधित करने, महासागर आधारित अर्थव्यवस्था को संरक्षित करने की प्रतिबद्वता भी शामिल है।

जी २० क्यो महत्वपूर्ण है :

विदेश नीति विशेषज्ञों ने कहा है कि जी २० भारत की अध्यक्षता युक्रेन में युद्व के मुद्दे पर सभी सदस्य देशों को एक मंच पर लाने में सफल रही है।

जी २० शिखर सम्मेलन:

जी २० शिखर सम्मेलन जी २० की अठारवीं बैठक थी जो कि ६ व १० सितंबर २०२३ को संपन्न हुई थी। यह बैठक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनी सैंटर में हुई थी। यह भारत के साथ साथ दक्षिण एशिया में आयोजित होने वाला पहला जी २० शिखर सम्मेलन था। इस सम्मेलन की अध्यक्षता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। इस सम्मेलन में जो बाईडेन, यूके पीएम ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रो सहित दुनिया के १६ देशों के प्रमुख ने भाग लिया। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा कि यह हम सबका साथ चलने का समय है। इसलिये सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र हम सब के लिये पथ प्रदर्शक बन सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथलपुथल हो, उत्तर और दक्षिण में डिवाईड हो, पूर्व और पश्चिम की दूरी हो, भोजन, ईधन और उर्वरक का प्रबंधन हो, आतंकवाद, साईबर सुरक्षा, स्वास्थ्य, उर्जा या जल सुरक्षा हमें भावी पीढियों के लिये ठोस समाधान ढूॅंढना होगा। जी २० सम्मेलन में मोदी जी ने कहा कि कोविड १६ के बाद विश्व में एक बहुत बड़ा संकट विश्वास के अभाव का आया है। युद्व ने इसे और गहरा किया है। जब हम कोविड पर विजय प्राप्त कर सकते हैं तो हम आपसी विश्वास में आये इस संकट पर भी विजय प्राप्त कर सकते हैं।

जी २०, २०२३ में क्या हासिल हुआ :

अफ्रीकन यूनियन को शामिल किया गया। अफ्रीकन यूनियन में अफ्रीकन महाद्वीप के ५५ देश में शामिल हैं। अफ्रीकन यूनियन के शामिल होने से दुनिया में नई विश्व व्यवस्था का निर्माण होगा, जिसमें विकासशील और गरीब देशों को भी वैश्विक फैसले करने की व्यवस्था में प्रतिनिधत्व मिलेगा। दिल्ली घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से मंजूर किया गया, जो कि भारत की कूटनीति का उदाहरण है। इस घोषणा पत्र में अंतराष्ट्रीय कानूनों को बनाये रखने, क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता, मानवीय कानून, शांति और स्थिरता की रक्षा करने वाली बहुप्रणाली को बनाये रखने के लिये कहा गया है। भारत,

सउदी अरब, अमेरिका और यूरोप को जोड़ने वाली रेल लिंक प्रोजेक्ट पर सहमति बनी है। इस प्रोजेक्ट को चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशियेटिव का जवाब माना जा रहा है जो दुनिया के विकासशील देशों का आधारभूत ढांचे के विकास के नाम पर चीन के कर्ज के जाल से बचायेगा। प्रधानमंत्री मोदी जी ने बायोफ्यूल अलायंस बनाने का एलान किया है। इस गठबंधन में भारत, ब्राजील और अमेरिका जैसे देश शामिल हैं। इससे अक्षय उर्जा को बढावा मिलेगा और कार्बन उत्सर्जन को नेट जीरो करने में मदद मिलेगी। कुछ सालों से दुनिया के देशों में एक दूसरे के प्रति अविश्वास की भावना उत्पन्न हो गई है। जी २० नई दिल्ली में इस अविश्वास को दूर करने की कोशिश की गई है। यूक्रेन युद्व के बाद जो तनाव है उसे कम करने की कोशिश की गई है।

जी २० में लिये गये निर्णय :

अफ्रीकी संघ स्थायी सदस्य के रुप में शामिल हुये। टिकाऊ जैव ईधन के विकास को बढावा देने और ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस नामक एक नये संगठन को लॉच किया गया है। देशों के एक समूह ने भारत को मध्यपूर्व और यूरोप से जोड़ने वाले एक रेल और शिपिंग गलियारे के निर्माण के लिये एक संयुक्त समझौता किया, जिसे भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा कहा गया। समूह में भारत सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, इजरायल और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

निष्कर्ष :

जी २० पहल दुनिया के सबसे शक्तिशाली १६ अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपिय संघ का संगठन है। इसकी स्थापना १६६६ में हुई थी और इसमें वे अर्थव्यवस्थायें शामिल हैं जो दुनिया की जीडीपी का ८६:, वैश्विक व्यापार का ७५: और दुनिया की कुल आबादी का दो तिहाई से अधिक का हिस्सा रखती है। जी २० एक सामुहिक, गैर पदानुक्रमित निकाय रहा है और इसने विश्व व्यापार को बढावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संदर्भ :

1. https://www.abplive.com
2. https://samanyagyan.com
3. https://hi.wikipedia .org
4. https://www.g20.org